मीना मस्जिद (1631–40)

यह नन्हीं सी श्वेत संगमरमर की मस्जिद मुगल सम्राट शाहजहाँ ने अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिये बनवाई थी। इसके प्रार्थना-कक्ष में तीन महराब हैं और उसके सामने खुला आँगन है। इसमें कोई अलंकरण नहीं है और यह बिल्कुल सादी है। यह ऊँची-ऊँची दीवारों से घिरी है और ऐसा अनुमान है कि जब शाहजहाँ, इसके पास ही स्थित मुसम्मन-बुर्ज़, जिसे शाह-बुर्ज़ भी कहते हैं, में 1658 से 1666 तक क़ैद रहा, वह इस मस्जिद में ही नमाज़ पढ़ता था।

THE MINA MASJID
(1631-40 A.D.)

This small mosque was built, entirely of white marble by the Mughal King Shah Jahan for his personal use. It has a small open court in front of the three-arched prayer-chamber. There is no ornamentation and it is simple. It is enclosed and secured on all sides by high walls and, it appears that, shahjahan used this mosque during his imprisonment in the adjoining apartment of the *Muthamman-Burj*, also called *Shah-Burj*, from 1658 to 1666 A.D.